प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की सूखा एवं बाढ़ प्रबंधन प्रशिक्षण में भागीदारी

पंतनगर। २७ जून २०१७। विश्व रेगिस्तानीकरण और सूखा मुकाबला दिवस (१७ जून २०१७) के अवसर पर तरुण जल विद्यापीठ, भीकमपुरा, अलवर, राजस्थान, में १७ से १९ जून २०१७ को सम्पन्न हुए "सूखा एवं बाढ़ प्रबंधन प्रशिक्षण" में डा. एच. जे. शिवाप्रसाद, प्राध्यापक, जनपत अभियंत्रण विभाग, के नेतृत्व में पंतनगर विश्वविद्यालय के आठ विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रशिक्षण में उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान एवं महाराष्ट्र के विश्वविद्यालयों के अभियांत्रिकी, कृषि, पर्यावरण विज्ञान, इत्यादि के ३० छात्र एवं युवा सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को जमीनी स्तर पर जोड़ना था। उन्हें यह बताना था कि राजस्थान जैसे राज्य में नदियों, तालाब और कुओं को पुनर्जीवित करके जलस्तर को बढाया जा सकता तो अन्य राज्यों में भी ऐसा किया जा सकता है। यहां से सीखकर विद्यार्थी अपने क्षेत्र में नदियों, तालाबों को पुनर्जीवित कर सकते हैं और बाढ़-सूखा जैसी विकट परिस्थिति से निपट सकते हैं। जल साक्षरता सभी के लिए बहुत आवश्यक है। इस प्रशिक्षण में सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक समझ भी स्थापित की गयी।

प्रशिक्षण में मैग्सैसे अवार्ड एवं स्टाकहोल्म जल पुरस्कार विजेता 'जलपुरुष' राजेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में तरुण भारत संघ के अनुभवी कार्यकर्ताओं ने सभी छात्रों को तरुण भारत संघ द्वारा किये गये जल संरक्षण कार्यों का भ्रमण करवाया।

जलपुरुष राजेन्द्र सिंह के साथ डा. एच.जे. शिवा प्रसाद एवं पंतनगर के विद्यार्थी।